

सात दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा शुरू भगवान के नाम में आनंद ही आनंद : वंदना श्रीजी

खुलासा फर्स्ट... इंदौर

हर व्यक्ति अपने बच्चों को अच्छे संस्कार दे, उन्हें संस्कारित करे, बच्चों को मंदिर ले जाए भगवान के दर्शन कराए, बच्चों को हनुमान चालीसा का पाठ बचपन से करना सिखाएं, उससे युवा पीढ़ी धर्म के प्रति जाग्रत होगी, प्रत्येक घर में बनने वाले भोजन को प्रसादी समझकर ही ग्रहण करना चाहिए। पहले भगवान को प्रसादी का भोग लगाए फिर उसे ग्रहण करे। हरि का आश्रय लेकर जीवन में जीना चाहिए, मंदिरों में मूर्ति नहीं स्वयं भगवान विराजते हैं, जिसके हृदय में भगवान होते हैं उसी को भगवान के दर्शन होते हैं, उसे हर कण-कण में भगवान दिखते हैं, भगवान के नाम में आनंद ही आनंद



है। यह बातें ब्रज रत्न वंदना श्रीजी ने रसोमा चौराहा स्थित आनंदम क्लब एंड रिसॉर्ट में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा के पहले दिन कही।

आयोजन प्रमुख गणेश गोयल और राज दीक्षित ने बताया कि सात



श्रीमद् भागवत कथा की शुरुआत में व्यासपीठ का पूजन विधायक रमेश मेंदोला ने किया। कथा श्रवण करने बड़ी संख्या में श्रद्धालु आए। कथा में वंदना श्रीजी ने विभिन्न प्रसंगों का वर्णन किया। वहीं भगवान के स्वरूप में कलाकारों ने नाट्य मंचन भी किया।

व्यासपीठ का पूजन अर्चन और आरती विधायक रमेश मेंदोला, गणेश गोयल, राज दीक्षित, बालमुकुंद सोनी, कालू गगोरे ने किया। श्रीमद्भागवत महापुराण कथा 17 अप्रैल तक प्रतिदिन शाम 7:00 बजे से रात्रि 11:00 बजे तक होगी।